पंचकल्याणक महामहोत्सव की प्रथम वर्षगांठ पर भव्य विमानोत्सव कार्यक्रम संपन्न ।

विशाल जैन, पवा । तालबेहट के नये बस स्टेंड पर स्थित श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में सराकोद्धारक राष्ट्रसंत आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज के ससंघ मंगलमय सानिध्य में गत वर्ष श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महामहोत्सव विश्व शांति महायज्ञ एवं हवन का भव्य आयोजन किया गया था । जिसकी प्रथम वर्षगांठ पर आचार्य प्रवर विद्यासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से श्रीजी की भव्य शोभा यात्रा निकालकर धूमधाम से वार्षिकोत्सव मनाया गया । सुबह नित्यमय अभिषेक-शांतिधारा पूजन के उपरांत युवा विधानाचार्य ब्र. अभिषेक जैन मुंगेली हैदराबाद के निर्देशन एवं निलेश एंड पार्टी, बांदरी सागर के मधुर संगीत में श्री 1008 पंचकल्याणक महामंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ अर्घों की आहुतियां दी एवं विश्व शांति की मंगल भावना से हवन किया । पं. विनोदकुमार शास्त्री बबीना ने ध्वजारोहण की क्रिया संपन्न करायी । मंगल आरती का सौभाग्य महिला मंडल एवं बालिका मंडल वासुपूज्य शाखा को मिला । दोपहर की बेला में विमानोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत वासुपूज्य दि. जैन मंदिर से श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी जिसमें तैलीय चित्रों की

झांकी, भगवान आदिनाथ स्वामीजी को विमान में लेकर श्रद्धालु, बग्गी में सवार धर्मध्वजा लेकर श्रेष्ठीजन, डी जे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा, मंगली गीत गाती महिलायें, सत्य-अहिंसा एवं जियो और जीने दो के नारे लगाते हुए धर्मावलंबियों ने नगर भ्रमण कर पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से वापस नये मंदिरजी पहुँचे, भक्तों ने मंगल आरती उतारी एवं विमानजी का स्वागत किया । तत्पश्चात पं. विजयकृष्ण शास्त्री ने कलशाभिषेक एवं फूलमाल की क्रियाऐं संपन्न करायी । 3 मार्च को निर्वाण लाडू चढ़ाकर भगवान मुनि सुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक एवं 5 मार्च को भगवान वासुपूज्य स्वामी का जन्म कल्याणक महामहोत्सव मनाया गया । बच्चों की दीप सजाओ प्रतियोगिता में आगम जैन मानू प्रथम, पवित्र जैन बेटू द्वितीय एवं भाविता जैन भवि तृतीय रहे । 30 मार्च को आचार्यश्री विद्यासागरजी श्रमण संस्कृति पाठशाला के शुभारंभ की प्रथम वर्षगांठ पर भक्तामर महामंडल विधान एवं अखंड पाठ का आयोजन किया गया । 31 मार्च को रात्रि में पाठशाला के बच्चों ने राजुल मोदी-नीतू जैन के निर्देशन में शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी । कार्यक्रम को सफल बनाने में मोदी शिखरचंद्र, राजकुमार जैन, अशोक कुमार, देवेन्द्र कड़ेसरा, अध्यक्ष पुष्पेन्द्र विरधा, कोषाध्यक्ष अनिल गुंदेरा, अनिल कुमार श्रेयांश जैन, देवेन्द्र बसार, राकेश सतभैया, सुशील मोदी, प्रदीप एडवोकेट, हितेन्द्र कुमार, प्रीतेश पवैया, कपिल मोदी, अरविंद कुमार विकास भंडारी, चक्रेश कुमार स्वतंत्र जैन, महेन्द्र नयाखेड़ा, विजय मोदी, वीरेन्द्र बामौर, जितेन्द्र बड़ौरा, विनय कुमार, अजय जैन मोनू, सुरेन्द्र विरधा, आदेश मोदी, मनीष कुमार, सुधीर जैन आदि का सहयोग रहा एवं सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे । संचालन पं. विनोद कुमार शास्त्री बबीना एवं आभार व्यक्त महामंत्री प्रवीनकुमार जैन कड़ेसरा ने किया ।

यहां चरखा ही ब्रांड है, देशभर में हथकरघा की जगी अलख

आमोद जैन, कानपुर । भारतीय इतिहास में कबीर और महात्मा गांधी के बाद संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागरजी ने चरखे को महज यंत्र नहीं बल्कि स्वावलंबन का प्रेरणास्रोत निरुपित करते हुए स्वरोजगार की एक नई राह प्रशस्त कर दी है । उनकी प्रेरणा से जबलपुर में नर्मदा के तिलवारा घाट के किनारे दयोदय तीर्थ परिसर में प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ में चल चरखा पड़ा है । इसकी शुरुआत 2014 में बीना बारह, सागर में हुई थी । इसके बाद सागर के भाग्योदय तीर्थ, कुंडलपुर, अमरकंटक, शहपुर भिटौनी, मुंगावली, कुरई, टीकमगढ़, ललितपुर, पपौराजी और खजुराहो सहित देश के विभिन्न हिस्सों में श्रमदान - हथकरघा और चल चरखा सरपट दौड़ने लगे है ।

हथकड़ी से हथकरघा तक - पूर्व डीएसपी डॉ. रेखा जैन बताती है कि उन्होंने केन्द्रीय जेल सागर में डॉ. नीलम जैन व अमित जैन के साथ मिलकर हथकड़ी से हथकरघा की यात्रा को साकार कर दिखाया है । इसकी प्रेरणा भारत को भारत ही कहे जाने के हिमायती, स्वदेशी के ध्वजवाहक आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद से मिली है । एक जेल में कैदियों को हथकरघे से जोड़ने का नतीजा यह मिला कि मध्यप्रदेश की सभी जेलों तक यह प्रकल्प फैल गया और अब दिल्ली की तिहाड़ और यूपी की अनेक जेलों में भी चरखे-हथकरघे की खुशबू फैलाने के लिये हमारी टीम को आमंत्रित किया गया है ।

हथकरघे से शत प्रतिशत हस्त निर्मित वस्त्रों का उत्पादन - आचार्यश्री के आशीर्वाद से अनेको स्थान पर संचालित हथकरघा केन्द्रों पर शत प्रतिशत हस्त निर्मित वस्त्रों का उत्पादन जारी है । इस उपक्रम में सैकड़ों महिलायें हथकरघा का हुनर सीख रही है व स्वलंबी होकर अपने परिवार के स्वाभिमान को बढ़ाया है । इसी उपक्रम के जरिये पुरुष वर्ग भी स्वरोजगार की दिशा में सक्रिय हो रहा है ।

गांधी चौक मंदिर में पंचकल्याणक महोत्सव की प्रथम वर्षगांठ पर शांति विधान का आयोजन

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । श्री आदिनाथ दि. जैन मंदिर, गांधी चौक में पंचकल्याणक की प्रथम वर्षागंठ के अवसर पर समाजजनों द्वारा शांतिमय शांति विधान का आयोजन किया गया । शांति विधान का आयोजन सृजन भैया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ । जिसमें समाज के पुर्ण्याजक परिवारों ने बढ़ चढ़कर सहभागिता निभायी । इस आयोजन में समाज के अध्यक्ष नेमीचंद जैन एडवोकेट, पवन जैन, नवीन भंडारी, मुकेश कुमार, धर्मेन्द्र जैन, जितेन्द्र जैन, राजकुमार चार्ली, विकास जैन, दमरुलाल जैन, अनिलकुमार जैन एडवोकेट, अमित जैन, ज्ञानचंद जैन बरवईवाले, महेन्द्र भंडारी, मनोज भंडारी, रिषभ जैन, सिद्धार्थ भुजंग, विनोद कुमार शिक्षक सहित समाज के गणमान्य समाजजन सपरिवार शामिल हुये ।

एक बार फिर गौरवांवित किया...

दिनांक 31.03.2019 को एम.बी.बी.एस की परीक्षा में उत्तीर्ण होकर भोपाल की तीन बेटियों ने गोलालारीय समाज के साथ साथ अपने परिवार का नाम भी रोशन किया ।

डॉ. स्वप्निल जैन
ममता-संजय जैन
भोपाल

डॉ. जूही जैन
संध्या-संजय जैन
(अलंकार)

डॉ. अंतरा जैन
अंजू-डॉ.राजेश जैन
भोपाल

आपके परिवार में संपन्न मांगलिक अवसर जैसे कि 25वीं या 50वीं विवाह वर्षगांठ या बच्चों के विवाह का शुभ अवसर हो या जन्मदिवस की सुहानी यादें इनका विज्ञापन 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका में प्रकाशित कर इस सुखद एहसास को समाजजनों के साथ सांझा कर सकते है । ऐसे अवसरों पर हम लाखों रुपये खर्च कर देते है, हमारा आपसे सादर अनुरोध है कि अपने समाज की एकमात्र पत्रिका में मांगलिक प्रसंगों का विज्ञापन प्रदान कर गोलालारीय दर्शन को आर्थिक संबल कर पत्रिका के नियमित प्रकाशन में अद्वितीय सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी छोटी सी सहायता राशि हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है।